



संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत बहुभाषी एवं बहुसांस्कृतिक परंपराओं से समृद्ध देश है। हमारी संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हम हिंदी दिवस मनाते हैं। यह दिवस केवल भाषा का उत्सव नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता, एकता और प्रगति का प्रतीक है।

हिंदी जन-मानस की ऐसी भाषा है जिसने अपने भीतर विभिन्न भाषाओं के शब्द-रूपी बहुमूल्य रत्नों को आत्मसात किया है। यह सरल, सशक्त और वैज्ञानिक दृष्टि से संगत भाषा है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी है। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को और अधिक व्यापक तथा सशक्त बनाएं।

औषध विभाग और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में निरंतर प्रगति हो रही है। मैं सभी वरिष्ठ अधिकारियों से यह आग्रह करता हूँ कि वे अधिकाधिक शासकीय कार्य हिंदी भाषा में संपन्न करें, ताकि समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारी प्रेरित होकर हिंदी के प्रयोग को स्वाभाविक रूप से अपना सकें तथा विभागीय कार्य में इसका उपयोग उत्तरोत्तर बढ़े।

आइए, हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम यह संकल्प लें कि राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करते हुए अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करके हम अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें और देश का गौरव बढ़ाएं।

जय हिंद

(अमित अग्रवाल)